सक्सेस मिरर

वर्ष : 11
अंक : 125
सितम्बर : 2020

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

5 | सम्पादकीय
7 | भारत की नई शिक्षा नीति 2020 घोषित
9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

16 आर्थिक घटना संग्रह

- गरीब कल्याण रोजगार अभियान का शुभारम्भ
- ₹ 5 लाख से अधिक की आरोग्य संजीवनी पॉलिसी बेचने को मंजूरी
- विश्व बैंक द्वारा भारतीय राज्यों में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु ऋण स्वीकृत
- गूगल ने जियो प्लेटफार्मों में खरीदी 7·73% हिस्सेदारी

20 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा के लिए 'प्रज्ञाता' दिशा-निर्देश जारी
- देश की पहली राज्य स्तरीय ई-लोक अदालत
- प्रधानमंत्री मोदी ने रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना राष्ट्र को समर्पित की
- भारत ने निमोनिया की स्वदेशी वैक्सीन विकसित की
- हरिद्वार में आयोजित होगा कुंभ मेला 2021

22 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- अमरीकी राष्ट्रपति ने अन्तर्राष्ट्रीय छात्रों को निर्वासित करने का निर्देश रद्द किया
- विश्व बैंक ने नेपाल को अब निम्न मध्यवर्ग श्रेणी में रखा
- मालदीव और श्रीलंका ने चेचक और खसरा उन्मूलन लक्ष्य समय से पहले हासिल किया
- 15वाँ भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन, 2020
- सीबीएसई और फेसबुक के मध्य भागीदारी

25 खेल खिलाड़ी

- एशिया कप टूर्नामेंट को जून 2021 तक के लिए किया गया स्थगित
- सुमित नागल ने जीता पीएसडी बैंक नार्ड ओपन टेनिस टूर्नामेंट
- फीफा महिला विश्वकप, 2023 की मेजबानी

28 | विज्ञान समाचार
30 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह
33 | समसामयिकी वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

35 | **सामाजिक लेख**—भारतीय कृषि एवं महिला कामगार
37 | **सामरिक लेख**—दुश्मन को समुद्र में मात देगा मारीच
38 | **भौगोलिक लेख**—विलक्षण है मृत सागर
39 | **सुरक्षा लेख**—साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियाँ
40 | **विज्ञान प्रौद्योगिकी लेख**—कोरोना वायरस के सन्दर्भ में प्रयोगशालाओं में विकसित विषाणुओं और जीवाणुओं की घातकता
42 | **अंतरिक्ष लेख**—घातक होते अंतरिक्ष कचरे
75 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
77 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-122 का परिणाम**
78 | **कॅरियर सलाह**
81 | **समसामयिकी घटना संग्रह**
82 | **रोजगार समाचार**

हल प्रश्न-पत्र

43 | आरपीएफ/आरपीएसएफ कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2018
51 | एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी (10+2) स्तरीय (प्रथम चरण) परीक्षा, 2018
59 | हरियाणा एस.एस.सी. क्लर्क परीक्षा, 2019
64 | राजस्थान जेल वार्डर परीक्षा, 2018

मॉडल हल

70 | आगामी बिहार पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा—2020 हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक :** महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस :** 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन–2531101, 2530966, 4040735
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844, 43259035

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

सम्पादकीय

पुस्तक ज्ञान को व्यवहार में लाइए

Knowledge becomes wisdom only after it has been put to practical use.

छात्र-छात्राएँ, विशेषकर, जो प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, विविध प्रकार की सूचनाएं एकत्र करने के लिए पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं आदि को पढ़ते रहते हैं, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन आदि द्वारा अपनी जानकारी का भण्डार समृद्ध करने में लगे रहते हैं. इण्टरनेट के आगमन और 3G, 4G, 5G सूचना संचार प्रौद्योगिकी ने ज्ञान के नवीन और अत्याधुनिक स्रोतों तक पहुँच आसान कर दी है. जो लोग ज्ञान की खोज में रहते हैं, उनको चैन अथवा विश्राम नहीं मिलता है.

अध्ययन के मध्य चिन्तन पद्धति का विकास हो जाना भी एक स्वाभाविक प्रक्रिया है. अतएव सूचनाओं (Information) के संग्रहकर्ता सत्य के अन्वेषक (Seekers of truth) बन जाते हैं. इनमें से ही वे ज्ञानीजन जन्म लेते हैं, जो समाज को ज्ञान प्रदान करने वाले ज्ञानियों की पंक्ति में खड़े हो जाते हैं और भविष्य में भी स्मरण किए जाते हैं.

हम Knowledge को सामान्य ज्ञान अथवा सूचना कहते हैं तथा Wisdom के लिए ज्ञान शब्द का प्रयोग करते हैं. इस प्रकार ज्ञान की उपलब्धि में सामान्य ज्ञान की प्राप्ति प्रथम सोपान होता है.

हम जब यह देखते हैं कि एक शिशु भी विभिन्न प्रकार की जानकारी अथवा सूचनाएं प्राप्त करने के लिए उत्सुक एवं प्रयत्नशील रहता है, तब हम यह समझ लेते हैं कि मनुष्य जन्म से ज्ञान का संकलनकर्ता एवं ज्ञान रूपी वृक्ष का बीज होता है. सामान्य छात्र-छात्राओं में कुछ ऐसे भी होते हैं, जो जीवनपर्यन्त सामान्य ज्ञान प्राप्त करके ज्ञानार्जन की प्रक्रिया में संलग्न बने रहते हैं. ऐसे ही व्यक्ति स्वयं और अपने समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होते हैं. सामान्य ज्ञान की लग्न कुछ व्यक्तियों के मन में ज्ञान की चिनगारी लगा देती है. विलियम कूपर नाम के अनुसार सामान्य ज्ञान हमारे मस्तिष्क में निवास करता है और अन्य व्यक्तियों के विचारों से परिपूर्ण रहता है, जबकि ज्ञान अथवा सत्य की अनुभूति मन में होती है, जो स्वयं के विचारों की देन होती है. इस वर्ग के व्यक्तियों का जीवन प्रायः कठिन एवं काँटों से भरा होता है. यह बात दूसरी है कि इसका अपना विशेष आनन्द एवं पुरस्कार होता है. ज्ञान का मार्ग प्रायः अग्नि-परीक्षाओं का मार्ग होता है.

जर्मनी के दार्शनिक कवि गेटे ने पूरा बल देते हुए कहा है कि जो व्यक्ति अग्नि-परीक्षाओं से अनभिज्ञ बने रहते हैं वे नहीं जानते हैं कि परमात्मा की शक्तियाँ कैसी होती हैं ? ज्ञान का मन्दिर किसी पहाड़ी की चोटी पर स्थित रहता है तथा उस तक पहुँचने वाला मार्ग टेढ़ा-मेढ़ा तथा काँटेदार झाड़ियों से घिरा होता है. सच्चे ज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए एक विद्वान् ने बताया है कि सही मत का आधार सही ज्ञान होता है. इसके अभाव में हमारे मत का कोई मूल्य नहीं रह जाता है, जो सच्चे ज्ञान एवं सत्य को उपलब्ध करना चाहते हैं, वे अपना सर्वस्व बलिदान करते आए हैं, क्योंकि सत्यानुभूति का लक्ष्य स्वार्थ न होकर परमार्थ बन जाता है.